

E कुशाः for कुलाः—A seems to write गुद्र, C गुंद्र, S गुंद्र, E गुल्म, B शरव्य, D शराव, the two latter being clearly a gloss; N om. the word wholly.—A नलिक्खर for नलिका.—101. A नाभाः, S नामाः, D णागाः for नागाः—A शतवच.—E युक्तमासाः for नक्तमालाः—N, S सिंधु for सिंदु.—102. D दमयंतिका, S तजयंतिका—D, N, E तत्रांबु for तत्रापि.—D, N चये वा, E चयेण.—103. C writes मौजवैः, E मुंजकैः—A, S सरसं.—104. E ताक्षमयौ.—E मृष्ट for मिष्ट.—105. E काश for शाक.—All but C शिंशिपाय.—107. A, S वैदूर्य.—E मुक्त for मुद्र.—S चंवुज.—E पीत for पाक.—C, N भंगे for भृंग.—E शिरा for शिला.—108. E समान for च तुल्या.—E विनाशं for अक्षयं.—109. S अत्र for च.—110. A, S या चे० for यासे०.—A, S स्यात्सु for स्यस्ताः—C in the text हिंगुलक, afterwards twice हिंगुलुक, like B; A, S हिंगुलक, D, N हिंगुलिक.—111. S शिवाय नागैश्च कूर्मैश्च.—A, S न तेष्वष्टया भयमस्ति किञ्चित्.—112. A यथा for यदा.—A, D पलाश.—D, N प्रज्वाल्य चैवानलं.—D शिला for सुधा.—D, N प्रविभागमेति.—115. All but A, S अतः.—A हतं for हत्वः.—E ततः for शर.—A, S वक्त्रिचि०.—114. D, N कुलित्या.—A वदिराणि, C once the same.—115. E निंबं.—A तिलानि. All but D आवितः—E चारम्.—A, S हत्वा, D, N हत्वस्तत्प्रापितो, E हत्वा वः स्थापिते.—116 and 117 = Ch. L, vs. 25 and 26.—S here ऊडु, N ऊड, C ऊडुपिषाण.—A, N मखी, E समी.—N युत, D युतः—A, S पश्चाच्चित्तस्य.—117. A, S स्थितं for क्खितं, B, D, E शितं, N शतं.—All but C, E याति for तस्य.—114. S, E वापी for पाली.—B, D, N, E आधारयेत्.—119. E कुरुवक.—A च वृत्, C in the text चाश्रित.—D, E तोरा.—120. A कोणा स्थितं, C once the same, once कोरास्थितं, expl. by तले व्यवस्थितं.—C कवाट.—E तत् for तम्.—121. A, S अर्जुन for अंजन.—B कातक, the others कनक, changed by me into कतक.—122. D यदिहा० for यदिवा०, E यदिवा सलिलं चाशुभ.—All but C सुगंधि for सुसुगंधि.—123 and 124 are repeated in A, S. Cf. vs. 97.—125. Is om. in C.—D, N ज्येष्ठान्.—S वदवद, A वदवेदव for वलदेव of B, D, N; as the Rshis named in Ch. XXII. vs. 4 are alluded to, I conjecture वेदवद.—A दृष्ट, S दृष्ट्या.—N दकार्गलं.—N मिहरेण.—At the end A, S have इति श्री० चतुःसाहस्रां दगार्गलनामाध्यायः, E उदगार्गललक्षणाध्यायः, N दकार्गली.—The number of the Chapter in C is 50, in E 51, in A 53, in B, D, N 54, in S om.—

#### CHAPTER LV.

1. A, S तस्मादतो.—2. C पुष्पितांश्च विन्दद्भीयात्, D, E पुष्पितांस्तंश्च विन्दद्भीयात्.—D, N कर्म तत्, E तत्कर्म.—4. C पणस.—A पलौवत singular; D परापता०, E परावता०.—C, N चापि for चैव.—5. D, N मूले.—E